भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 820
09/02/2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

आंध्र प्रदेश में घटती तटरेखा

820. श्री जी.वी.एल नरसिंहा राव :

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीहय तटीय अनुसंधान केंद्र (एनसीसीआर) द्वारा किए गए संचयी तटरेखा परिवर्तन विश्लेकषण से पता चलता है कि आन्ध्रष प्रदेश (एपी) तट का 27 प्रतिशत भाग क्षय हो रहा है

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके प्रमुख निष्कर्ष क्या है;

(ग) आंध्र प्रदेश में तटीय कटाव के क्या कारण हैं और इसे रोकने के लिए क्या कार्रवाई की गई है और क्या रणनीति अपनाई गई है;

(घ) तटीय समुदायों और पर्यावरण तथा आन्ध्र प्रदेश के मछुआरों की आजीविका पर घटती तटरेखा का क्या प्रभाव पड़ा है; और

(ङ) कटाव का वाइजेग शहर में तट के तीन दशकों में अपरदन की प्रगति और इसके नकारात्मक प्रभावों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(जितेंद्र सिंह .डॉ)

(**क**) जी हां।

(**ख**) राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र (NCCR) ने उपग्रह एवं फील्ड सर्वेड डेटा का उपयोग करते हुए भारतीय तट में होने वाले तटरेखा परिवर्तनों का अध्ययन किया है, तथा 6907.18 किमी लंबी तटरेखा का मानचित्र तैयार किया है, इसमें वर्ष 1990-2018 की अवधि के दौरान समग्र भारतीय मुख्यभूमि तट शामिल है। इस प्रेक्षण में पाया गया कि आंध्र प्रदेश के तट पर 28.7% तटरेखा में अलग-अलग स्तर का अपक्षरण है, 21.7% हिस्सा स्थिर है, तथा 49.6% हिस्से में अलग-अलग स्तर की अभिवृद्धि है। आंध्र प्रदेश का राज्य-वार विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

जिला	**लंबाई (किमी में)**				**लंबाई (% में)**		
	तटीय लंबाई	क्षरण	स्थिर	अभिवृद्धि	क्षरण	स्थिर	अभिवृद्धि
नेल्लोर	172.1	53.32	39.87	78.91	31.0	23.2	45.9
प्रकाशम	107.18	13.72	16.76	76.7	12.8	15.6	71.6

गुंटूर	64.24	7.53	6.39	50.31	11.7	9.9	78.3
कृष्णा	133.36	57.55	7.47	68.33	43.2	5.6	51.2
पश्चिम गोदावरी	17.98	7.73	1.08	9.16	43.0	6.0	50.9
पूर्वी गोदावरी	189.84	89.25	16.84	83.74	47.0	8.9	44.1
विशाखापट्टनम	136.98	25.81	52.22	58.95	18.8	38.1	43.0
विजयनगरम	32.78	14.86	13.98	3.94	45.3	42.6	12.0
श्रीकाकुलम	173.12	25.12	68.73	79.27	14.5	39.7	45.8
कुल	1027.6	294.89	223.36	509.33	28.7	21.7	49.6

(ग) तटरेखा परिवर्तन के पीछे प्राकृतिक (जैसे कि उष्णदेशीय चक्रवात, मॉनसून बाढ़, समुद्र स्तर वृद्धि, चरम घटनाएं आदि) तथा मानवजनित (जैसे कि पोर्ट्स एवं हार्बर्स, नदियों पर बांध बनाना आदि) कारणों के संयुक्त प्रभाव होते हैं। NCCR तटरेखा प्रबन्धन योजना की तैयारी तथा संवेदनशील स्थानों पर तटीय संरक्षण उपायों की रूपरेखा तैयार करने के लिए आंध्र प्रदेश समेत तटीय राज्यों में तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है।

(घ) घटती तटरेखा के कारण भूमि / पर्यावास की हानि होगी, तथा मछुआरों की आजीविका पर संकट आएगा, क्योंकि उनकी नाव लगाने, जाल बांधने तथा मछली पकड़ने की जगह नहीं बचेगी।

(ङ) विजाग शहर पिछले तीन दशकों से अधिक समय से अपक्षरण की समस्या का सामना कर रहा है, और इसके नकारात्मक प्रभावों में पर्यटन वाले समुद्र तटों तथा लगभग 3.5 किमी लंबी तटीय मार्ग का नष्ट होना शामिल है। वर्ष 1990 से 2018 के दौरान विजाग शहर में हुए तटीय क्षरण को दर्शाती तटरेखा परिवर्तन के स्तर को नीचे तालिका में दिया गया है।

शहर का नाम	तटीय लंबाई (किमी)	क्षरण	स्थिर	अभिवृद्धि	क्षरण	स्थिर	अभिवृद्धि
		किमी में			% में		
वाइजेग	15.42	3.46	6.18	5.78	22.4	40.1	37.5

*****